

3.4.24


अधिवक्ताओं की आज्ञाकारी आज्ञाकारी
होने से यह प्रकरण वास्ते सुनवाई,
दिनांक... 22/5/24 को पेश हों।

नि
रीडर

22.5.24

पत्रावली पेश हुई वही वही अधिवक्ता उपस्थित (वादी अधिवक्ता
द्वारा पत्रावली पर जोर प्रेष शकते करते हुए पत्रावली नहीं पलने
का बंधन किया गया है। पत्रावली प्रतिवादीगण के जवाब देते
नियत है। वादी बाद पलाना नहीं चाहता है।

क्ष: वादी का बाद जोर प्रेष किये जाने के इलाख
पर अक्स परवी- में खारिज किया जाता है निर्णय कोट अलाव
सुनाया गया।

प्रकरण फ़ैल शुमार होना नम्बर से कम 


(रिया सावनी)
IAS

कोट अलाव
कोट अलाव
कादी नरि
R/1042/26